बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग-1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

वृहस्पतिवार, तिथि 29 जुलाई 1982 ई०

विषय-सूची

	पृष्ठ
प्रश्नों के लिखित उत्तर—गत सत्र के अनागत अल्पसूचित एवं अतारांकित प्रश्नोत्तरों का सभा-पटल पर रखा जाना।	1
अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर संख्या 96, 98, 99 एवं 102 ..	2—9
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 2909, 2910, 2911, 2912, 2913, 2914, 2915, 2916, 2917, 2918, 2919 एवं 2920	9—30
परिशिष्ट 1 (प्रश्नों के लिखित उत्तर)	31—62
परिशिष्ट-2 (प्रश्नों के लिखित उत्तर)	63—235
शुद्धि निबन्ध	236

---

*टेप्पणी—किन्हीं मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है।

(2) कोचाधामन पंचायत समिति ने अपनी बैठक दिनांक 19 अक्तूबर, 1981 को कोचाधामन प्रखण्ड को पुनर्गठित कर अलता कमलपुर में एक नया प्रखण्ड बनाने की सिफारिश की है।

(3) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(4) सभी प्रखण्डों का पुनर्गठन का कार्य राज्य सरकार के विचाराधीन है। प्रखण्डों को पुनर्गठित करते समय सभी बातों पर विचार कर उचित निर्णय लिया जायेगा।

हरिजन के मकान निर्माण हेतु कार्रवाई

य-14. श्री मो० मुस्ताक—क्या मंत्री, कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियां जिलान्तर्गत किशनगंज प्रखंड के गजलाकणि, लहरा, कलवारी, खगड़ा, बेलुआ, पुराना खगड़ा (हलीम चौक) ग्रामों में हरिजन भूमिहीन खेतीहर मजदूरों की संख्या अधिक है;

(2) क्या यह बात सही है कि हरिजनों के लिये मकान बनाने की सरकारी योजना है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त ग्रामों के हरिजनों के लिये मकान बनाने के सम्बन्ध में कबतक कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है?

प्रभारी मंत्री, कल्याण विभाग—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) उत्तर स्वीकारात्मक है। यह बात सही है कि हरिजनों के लिये गृह-निर्माण की सरकारी योजना है। लेकिन भूमिहीन हरिजनों के गृह-निर्माण की योजना कल्याण विभाग में संचालित नहीं है। विभाग द्वारा वैसे हरिजन परिवारों के गृह-निर्माण योजना की स्वीकृति दी जाती है जिन्हें अपनी जमीन उपलब्ध है अथवा बासगीत जमीन है जिस पर गृह-निर्माण कराया जा सके।

(3) प्रश्न (2) के उत्तर के आलोक में प्रश्न नहीं उठता।

हरिजन ग्रामों में मकान का निर्माण

य-15. श्री मो० मुस्ताक—क्या मंत्री, कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णिया जिला के कोयाधामन प्रखंड अन्तर्गत भवानीगंज रानी धनपतगंज, असुरा ग्रामों में हरिजन भूमिहीन खेतीहर मजदूर की संख्या अधिक है;